भारत सरकार

रसायन और उर्वरक मंत्रालय

उर्वरक विभाग

**राज्‍य सभा**

अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या **1172**

जिसका उत्‍तर शुक्रवार, 27 जुलाई, 2018/5 श्रावण, 1940 (शक) को दिया जाना है।

**उर्वरकों का उत्पादन**

**1172. सुश्री सरोज पांडेयः**

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या 2014 से आज की तिथि तक उर्वरकों के उत्पादन में कोई बढ़ोतरी हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी बढ़ोतरी की सीमा क्या है; और

(ख) क्या भविष्य की बढ़ती मांगों के अनुसार नये उर्वरक संयंत्रों की स्थापना की जा रही है और यदि हां, तो कितने संयंत्रों की स्थापना की जाएगी?

**उत्‍तर**

**योजना मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार) तथा रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्‍य मंत्री**

**(राव इन्‍द्रजीत सिंह)**

**(क):** 2013-14 से 2018-19 (जून, 2018 तक) के दौरान सभी उर्वरकों का उत्‍पादन निम्‍नवत् है:-

**(आंकड़े लाख मी.टन में)**

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **वर्ष** | **2013-14** | **2014-15** | **2015-16** | **2016-17** | **2017-18** | **2018-19**  **(जून 18 तक)** |
| **उर्वरक उत्‍पादन** | 380.46 | 385.39 | 413.14 | 414.41 | 413.61 | 99.54 |

उपर्युक्‍त आंकड़े 2017-18 के दौरान सभी उर्वरकों के उत्‍पादन में मामूली कमी दर्शाते हैं जो नगण्‍य है। अन्‍यथा, उत्‍पादन में निरंतर वृद्धि हो रही है।

**(ख):** सरकार ने यूरिया क्षेत्र में नए निवेश को सुगम बनाने और यूरिया क्षेत्र में भारत को आत्‍मनिर्भर बनाने के लिए 02 जनवरी, 2013 को नई निवेश नीति-2012 (एनआईपी-2012) और 07 अक्‍तूबर, 2014 को इसके संशोधन की घोषणा की थी। चंबल फर्टिलाइजर्स एण्‍ड केमिकल्‍स लिमिटेड (सीएफसीएल) ने भी गड़ेपान, राजस्‍थान में 1.34 एमएमटी की क्षमता के साथ एक ब्राउनफील्‍ड परियोजना की स्‍थापना का प्रस्‍ताव किया है और जिसमें जनवरी, 2019 तक वाणिज्यिक उत्‍पादन प्रारम्‍भ होने का लक्ष्‍य है।

-: 2 :-

वर्तमान में सरकार ने पांच बंद पड़ी इकाइयों नामत: फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एफसीआईएल) की गोरखपुर (उत्‍तर प्रदेश), सिंदरी (झारखण्‍ड), तलचर (ओडिशा) तथा रामागुंडम (तेलंगाना) और हिंदुस्‍तान फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचएफसीएल) की बरौनी (बिहार) इकाई को नामित केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (सीपीएसई) के संयुक्‍त उद्यमों के माध्‍यम से ‘नामांकन मार्ग’ के जरिए पुनरुद्धार करने का निर्णय लिया है। इन प्रत्‍येक इकाई में 1.27 मिलियन मी.टन यूरिया प्रतिवर्ष क्षमता वाले नए यूरिया संयंत्र की स्‍थापना द्वारा पुनरुद्धार किया जा रहा है।

उपर्युक्‍त के अलावा, सरकार ने ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीवीएफसीएल) के मौजूदा परिसर में 8.646 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) का नया यूरिया संयंत्र स्‍थापित करने का भी निर्णय लिया है जो बाद में मौजूदा यूरिया संयंत्र नामरूप-।। (क्षमता 2.20 एलएमटी) तथा नामरूप-।।। (क्षमता 2.70 एलएमटी प्रतिवर्ष) के स्‍थान पर काम करेगा।

\*\*\*\*\*\*\*